



# बिहार गजट

## असाधारण अंक

### बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

---

17 पौष 1936 (श0)  
(सं0 पटना 55) पटना, बुधवार, 7 जनवरी 2015

---

जल संसाधन विभाग

अधिसूचना

17 दिसम्बर 2014

सं0 22/नि0सि0(पू0)—01—03/2010/1979—श्री श्याम बिहारी राम, तत्कालीन अधीक्षण अभियन्ता, जल निस्सरण अंचल, पूर्णियाँ, सम्प्रति मुख्य अभियन्ता, पूर्णियाँ के विरुद्ध मधेपुरा जिलान्तर्गत पुरैनी प्रखंड के औराई ग्राम पंचायत में मुसहरिया चौर जल निकासी योजना को अधूरा छोड़कर राशि गबन करने संबंधी आरोप के लिए मामले की जाँच उड़नदस्ता अंचल से कराया गया। उड़नदस्ता से प्राप्त जाँच प्रतिवेदन के समीक्षोपरान्त निम्न आरोपों के लिए आपसे स्पष्टीकरण किया:-

“मुसहरिया जल निस्सरण योजना के अधीन दो पुल का निर्माण किया गया, परन्तु स्वीकृत 24.00 आर0 डी0 लम्बाई के चैनल निर्माण कार्य के विरुद्ध बि0 दू0 5.00 से 11.00 के बीच नाला का निर्माण ग्रामीणों के विरोध के फलस्वरूप नहीं किया जा सका। उक्त दूरी के बीच के ग्रामीणों के द्वारा भू मुआवजा भी नहीं लिया गया। योजना के निर्माण में उच्चाधिकारियों की दूरदर्शिता के अभाव के कारण योजना के पूर्ण न होने के कारण योजना का वास्तविक लाभ नहीं मिल सका”।

श्री श्याम बिहारी राम, तत्कालीन अधीक्षण अभियन्ता से प्राप्त स्पष्टीकरण की समीक्षा सरकार के स्तर पर की गयी, समीक्षा में पाया गया कि श्री श्याम बिहार राम की दूरदर्शिता के अभाव के कारण योजना के पूर्ण न होने के कारण योजना का पूर्ण लाभ नहीं मिल सका। अतएव श्री राम के स्पष्टीकरण को अस्वीकार करते हुए श्री श्याम बिहारी राम, तत्कालीन अधीक्षण अभियन्ता, जल निस्सरण अंचल, पूर्णियाँ, सम्प्रति मुख्य अभियन्ता, पूर्णियाँ को “चेतावनी” का दण्ड संसूचित करने का निर्णय सरकार द्वारा लिया गया है।

सरकार के उक्त निर्णय से श्री श्याम बिहारी राम, तत्कालीन अधीक्षण अभियंता, जल निस्सरण अंचल, पूर्णियाँ, सम्प्रति मुख्य अभियंता, पूर्णियाँ को “चेतावनी” का दण्ड संसूचित किया जाता है।

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,  
सतीश चन्द्र झा,  
सरकार के अपर सचिव।

---

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,  
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।  
बिहार गजट (असाधारण) 55-571+10-डी0टी0पी0।  
Website: <http://egazette.bih.nic.in>